कारक

नीचे दिए गए वाक्यों में कारक लिखकर इन्हें पूरा कीजिए-

1. "हमने तो तुम्हारे ऊँट ——— देखा तक नहीं", भाइयों ——— परेशान होते हुए कहा।
2. "मैं अपने रेवड़ों ——— पहाड़ों ——— लिए जा रहा था", उसने कहा, "और मेरी पत्नी मेरे छोटे-से बेटे ——— साथ एक बड़े-से-ऊँट ——— मेरे पीछे-पीछे आ रही थी।"
3. राजा ——— उसी समय अपने मंत्री ——— बुलाया और उसके कान ——— कुछ फुसफुसाया।
4. यह सुनकर राजा ——— पेटी ——— पास लाने ——— आदेश दिया। सेवकों ——— तुरंत आदेश पूरा किया। राजा ——— सेवकों ——— पेटी खोलने ——— लिए कहा।

ध्यान से देखना-सुनना अनुभव करना

"बचपन से ही हमें ऐसी आदत पड़ गई है कि हम किसी वस्तु को अपनी दृष्टि से नहीं चूकने देते। हमने वस्तुओं को पैनी दृष्टि से देखने और बुद्धि से सोचने के प्रयास में बहुत समय लगाया है।"

इस लोककथा में तीनों भाई आसपास की प्रत्येक घटना, वस्तु आदि को ध्यान से देखते, सुनते, सूँघते और अनुभव करते हैं अर्थात् अपनी ज्ञानेंद्रियों का पूरा उपयोग करते हैं। ज्ञानेंद्रियाँ पाँच होती हैं आँख, कान, नाक, जीभ और त्वचा। आँख से देखकर, कान से सुनकर, नाक से सूँघकर, जीभ से चखकर और त्वचा से स्पर्श करके हम किसी वस्तु के विषय में ज्ञान प्राप्त करते हैं। आइए, अब एक खेल खेलते हैं जिसमें आपको अपनी ज्ञानेंद्रियों और बुद्धि का उपयोग करने के अवसर मिलेंगे।

(क) 'हाँ' या 'नहीं' प्रश्न-उत्तर खेल

चरण

1. एक विद्यार्थी कक्षा से बाहर जाकर दिखाई देने वाली किसी एक वस्तु या स्थान का नाम चुनेगा।

   कक्षा के भीतर से भी कोई नाम चुना जा सकता है।
2. विद्यार्थी वापस कक्षा में आएगा और उस नाम को एक कागज पर लिख लेगा। लेकिन ध्यान रहे, वह कागज़ पर लिखे नाम को किसी को न दिखाए।
3. अन्य विद्यार्थी बारी-बारी से उस वस्तु का नाम पता करने के लिए प्रश्न पूछेंगे।
4. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर केवल 'हाँ' या 'नहीं' में दिया जाएगा।

उदाहरण के लिए–

- ★ क्या इस वस्तु का उपयोग कक्षा में होता है ?
- ★ क्या यह खाने-पीने की चीज है ?
- ★ क्या यह लकड़ी से बनी है ?
- ★ क्या यह बिजली से चलती है ?

5. सभी विद्यार्थी अधिकतम 20 प्रश्न ही पूछ सकते हैं। इसिलए उन्हें सोच-समझकर प्रश्न पूछने होंगे ताकि वे उस वस्तु का नाम पता कर सकें ।
6. यदि 20 प्रश्नों के अंदर विद्यार्थी वस्तु का सही अनुमान लगा लेते हैं तो वे जीत जाएँगे।
7. अब दूसरे विद्यार्थी को बाहर भेजकर गतिविधि दोहराएँगे।
8. गतिविधि के अंत में सभी मिलकर इस खेल से जुड़े अपने अनुभवों के बारे में चर्चा करें।

(ख) गतिविधि 'स्पर्श, गंध और स्वाद से पहचानना'

1. एक थैले या डिब्बे में (सावधानीपूर्वक एवं सुरक्षित) विभिन्न वस्तुएँ (जैसे- फल, फूल, मसाले, खिलौने, कपड़े, किताब, गुड़ आदि) रखें।
2. विद्यथिर्यों को आँखों पर पट्टी बाँधकर केवल स्पर्श गंध या स्वाद का उपयोग करके वस्तु की पहचान करनी होगी और उसका नाम बताना होगा।
3. बारी-बारी से प्रत्येक विद्यार्थी को बुलाकर उसकी आँखों पर पट्टी बाँधें।
4. उसे डिब्बे से एक वस्तु दी जाए। विद्यार्थी उसे छूकर, सूँघकर, चखकर पहचानने का प्रयास करेंगे।
5. सही पहचान करने के बाद विद्यार्थी बताएँगे कि उन्होंने उस वस्तु को कैसे पहचाना
6. एक-एक करके सभी विद्याथिर्यों को अलग-अलग वस्तुओं को पहचानने का अवसर मिलेगा।
7. अत में सभी वस्तुओं को कक्षा में दिखाएँ और उनके बारे में चर्चा करें कि किस वस्तु को पहचानना आसान या कठिन लगा।